परिशिष्ट

बैंकिंग सांख्यिकी से संबंधित बैंक के अन्य प्रकाशनों के बारे में सूचना

1. भारत में बैंको संबंधित सांख्यिकीय सारणियां

इस खंड की प्रस्तावना में दिये गये स्पष्टीकरण के अतिरिक्त, दो अलग-अलग प्रकाशनों अर्थात् भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां एवं इस खंड के बारे में, प्रकाशन की सामग्री के संबंध में एक संक्षिप्त टिप्पणी नीचे दी गयी है ताकि पाठकों को सहायता प्राप्त हो सके।

'भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय विवरणियां' से संबंधित पुस्तक में भारतीय बैंकिंग में विभिन्न पहलुओं के बारे में व्यापक आंकड़े दिये गये हैं जो विभिन्न सांविधिक विवरणियों एवं अन्य सांख्यिकीय विवरणीयों पर आधारित हैं। आंकड़ो के श्रोत में प्रत्येक माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42(2) के अंतर्गत अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा प्रस्तुत ''फार्म-ए विवरणियां; प्रत्येक माह के अंतिम शुक्रवार को बैंकिंग विनियमन अधिनियम-1949 की धारा 27 के अंतर्गत फार्म-X'' विवरणियां, संदर्भित अवधि के लिए उनके प्रकाशित लेखों के आधार पर भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की देयताएं एवं आस्तियां, मार्च महीने के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्रों से संबंधित अग्रिमों की विवरणियां; बैंक के विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त अन्य विवरणियां तथा विभिन्न मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियों पर आधारित संक्षिप्त सूचनाएं शामिल हैं। इस खंड में कार्यालय, कारोबार, देयताएं एवं आस्तियां, जमाराशियां, अग्रिम, प्राथमिक क्षेत्र के अग्रिम, निष्पादक आस्तियां, निवेश, आय एवं व्यय, कर्मचारी आदि के आधार पर सारणियां समाविष्ट की गयी हैं।

2. भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ती एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट

बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 36(2) के अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा यह वार्षिक प्रकाशन किया जाता है। वर्ष 2007-2008 की रिपोर्ट में आठ अध्याय हैं।

प्रथम अध्याय में संक्षेप में 2007 तथा 2008 के अवधि में हुआ सार्वत्रिक विकास तथा भारतीय अर्थ व्यवस्था की चर्चा है। अन्य अध्यायों में वाणिज्य बैंकिंग में नीति संबंधी प्रगती, वाणिज्य बैंकों का परिचालन तथा निष्पादन, सहकारी बैंकिंग, सूक्ष्म वित्त, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की प्रगती, तथा वित्तीय स्थिरता शामिल है तथा आखरी आठवे अध्याय में संभावनाएं दी गयी है।

3. अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की जमाराशियां तथा ऋण की तिमाही सांख्यिकी

इस प्रकाशन में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की जमाराशियों एवं ऋण से संबंधित आंकड़े दिये जाते हैं जो कि उनके प्रधान कार्यालयों से प्राप्त बीएसआर-7 तिमाही विवरणियों पर आधारित होते हैं जिनमें तिमाही के अंतिम शुक्रवार/मार्च के अंतिम दिन को सकल जमाराशियों एवं कुल बैंक ऋण के शाखावार आंकड़े होते हैं।

4. अन्य मू.सां.वि. सर्वेक्षणों से संबंधित सूचना

दो वार्षिक सर्वेक्षणों अर्थात जमाराशियों के स्वामित्व के सर्वेक्षण (मू.सां.वि.-4) एवं अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेशों के सर्वेक्षण (मू.सां.वि. -5) तथा जमा लेखों में नामे राशियों के द्विवार्षिक सर्वेक्षण के (मू.सां.वि.-6) माध्यम से संग्रहित आंकड़ो पर आधारित लेख नियमित रुप से भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन में प्रकाशित किये जाते हैं।

5. बैंकिंग सांख्यिकी : मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां 1 और 2, खंड 1 से 31:1972 से 2002

मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां 1 और 2 द्वारा संकलित किये गये तथा मू.सां.वि. खंड 1-31 में प्रकाशित किये गये आंकड़े पी डी एफ रचना (PDF FORMAT) में सी डी रोम (CD ROM) में उपलब्ध हैं।

6. शाखा बैंकिंग सांख्यिकी

यह प्रकाशन द्विवर्षी निकाला जाता है जो नवीनतम अद्यतित मास्टर आफिस फाईल (MOF) पर आधारित है तथा भारत में वाणिज्य बैंक कार्यालयों की शाखा बैंकिंग की संक्षिप्त जानकारी उपलब्ध करता है।

7. भारत में वाणिज्य बैंकों के कार्यालयों का शब्दकोष

यह प्रकाशन द्विवर्षी सी डी रोम (CD-ROM) तथा वेब (Web) द्वारा लाया गया है। यह प्रकाशन भारत में सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के शाखा/ कार्यालयों की स्थान निर्धारण के बारे में विस्तृत वर्णन देता है तथा यह नवीनतम आधुनिक मास्टर आफिस फाईल (MOF) पर आधारित है।